Literacy for a Billion

Movie: Zanjeer
Year: 1973

Song: Bana Ke Koun Bigada Re
Lyricist: Gulshan Bawra

बना के क्यों बिगाड़ा रे
बना के क्यों बिगाड़ा रे
बिगाड़ा रे नसीबा
ऊपर वाले उपर वाले
बना के क्यों बिगाड़ा रे
बिगाड़ा रे नसीबा
ऊपर वाले उपर वाले
बना के क्यों बिगाड़ा रे
जो तुझको मंजूर नहीं था
फूल खिले इस प्यार के
फिर क्यूँ तूने इन आँखों को
रंग दिखाए बहार के
आस बँधा के प्यार जता के
बिगाड़ा रे नसीबा

ऊपर वाले उपर वाले
बना के क्यों बिगाड़ा रे
पाप करे इंसान अगर तो
वो पापी कहलाता है
तूने भी ये पाप किया
फिर कैसे कहूँ तू दाता है
राह दिखा के
राह पे ला के
बिगाड़ा रे नसीबा
ऊपर वाले उपर वाले
बना के क्यों बिगाड़ा रे
बिगाड़ा रे नसीबा
ऊपर वाले उपर वाले
बना के क्यों बिगाड़ा रे

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.